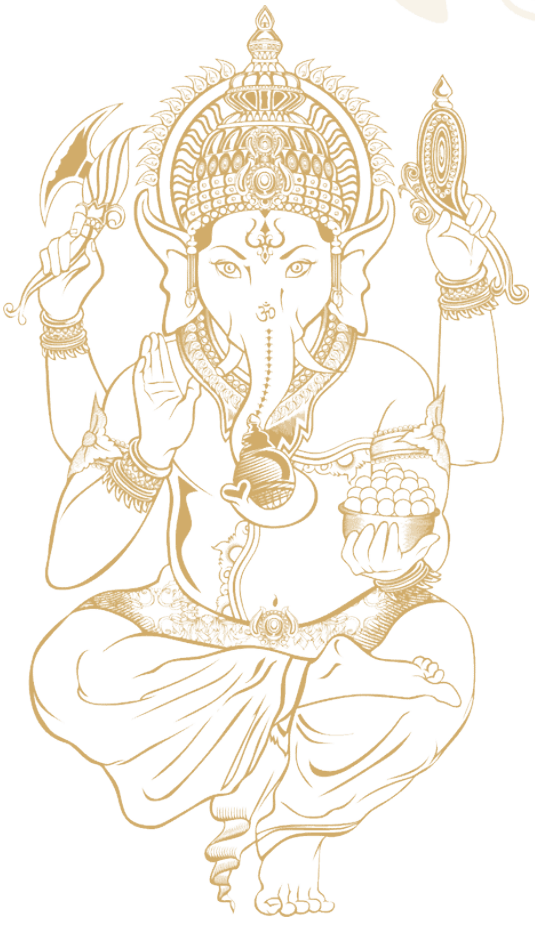

Varsha

14 Oct 2022

06:09 PM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 121162603

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**14/10/2022**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**18:09:00 घंटे**
इष्ट	29:39:01 घटी
स्थान	**Hathras**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:36:00 उत्तर
रेखांश	78:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:51:08 घंटे
वेलान्तर	00:13:57 घंटे
साम्पातिक काल	19:23:19 घंटे
सूर्योदय	06:17:23 घंटे
सूर्यास्त	17:50:09 घंटे
दिनमान	11:32:46 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:58:33 कन्या
लग्न के अंश	04:31:08 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 4**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	तैतिल
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वू-वूली
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	04:31:08	475:30:51	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	---
सूर्य			कन्या	26:58:33	00:59:25	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	सम राशि
चंद्र			वृष	22:00:06	12:09:35	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
मंगल			वृष	29:41:42	00:12:35	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
बुध			कन्या	10:38:36	01:28:46	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
गुरु	व		मीन	07:14:45	00:07:05	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र		अ	कन्या	24:48:44	01:15:03	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	नीच राशि
शनि	व		मक	24:28:47	00:00:52	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	स्वराशि
राहु			मेष	19:20:06	00:01:46	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	शत्रु राशि
केतु			तुला	19:20:06	00:01:46	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	मंगल	सम राशि
हर्ष	व		मेष	23:45:25	00:02:08	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
नेप	व		कुंभ	29:07:52	00:01:25	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	सूर्य	---
प्लूटो			मक	01:57:08	00:00:10	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
दशम भाव			धनु	25:03:56	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:10:18

लग्न-चलित

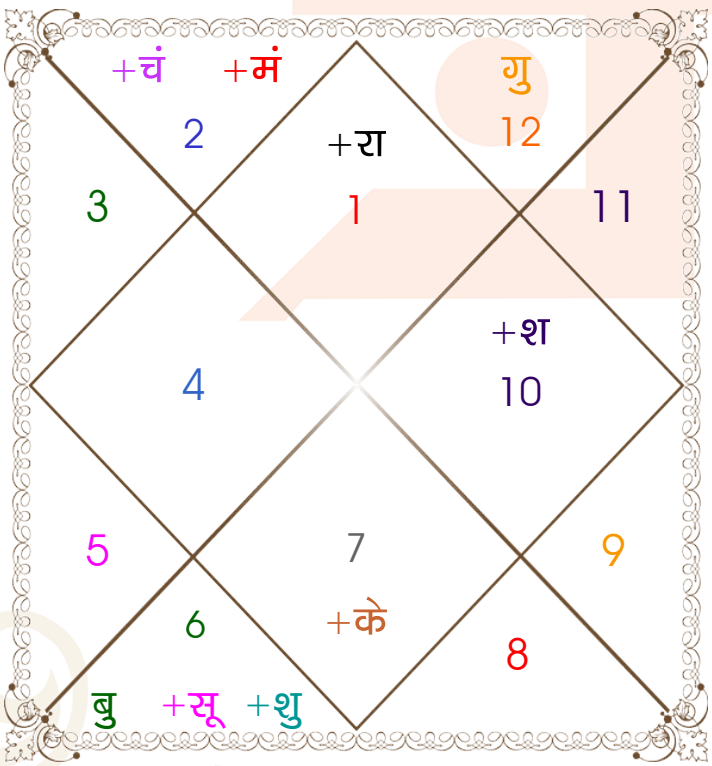

चन्द्र कुंडली

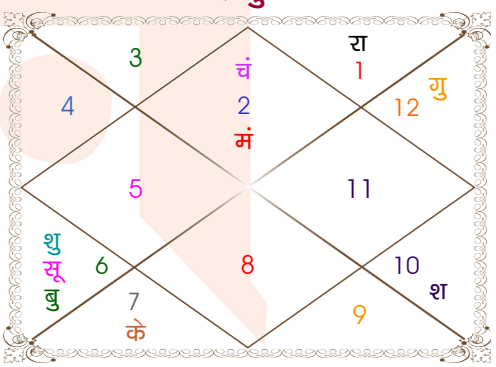

नवमांश कुंडली

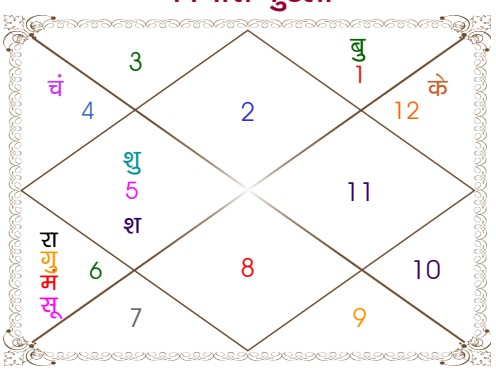

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 0 वर्ष 11 मास 29 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
14/10/2022		14/10/2023		14/10/2030		13/10/2048		13/10/2064	
14/10/2023		14/10/2030		13/10/2048		13/10/2064		14/10/2083	
	00/00/0000	मंगल	11/03/2024	राहु	26/06/2033	गुरु	02/12/2050	शनि	17/10/2067
	00/00/0000	राहु	30/03/2025	गुरु	20/11/2035	शनि	14/06/2053	बुध	26/06/2070
	00/00/0000	गुरु	06/03/2026	शनि	26/09/2038	बुध	20/09/2055	केतु	05/08/2071
	00/00/0000	शनि	14/04/2027	बुध	14/04/2041	केतु	26/08/2056	शुक्र	05/10/2074
	00/00/0000	बुध	11/04/2028	केतु	02/05/2042	शुक्र	27/04/2059	सूर्य	17/09/2075
	00/00/0000	केतु	07/09/2028	शुक्र	02/05/2045	सूर्य	13/02/2060	चंद्र	17/04/2077
	14/10/2022	शुक्र	07/11/2029	सूर्य	27/03/2046	चंद्र	14/06/2061	मंगल	27/05/2078
शुक्र	14/04/2023	सूर्य	15/03/2030	चंद्र	26/09/2047	मंगल	21/05/2062	राहु	02/04/2081
सूर्य	14/10/2023	चंद्र	14/10/2030	मंगल	13/10/2048	राहु	13/10/2064	गुरु	14/10/2083

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
14/10/2083		14/10/2100		15/10/2107		15/10/2127		15/10/2133	
14/10/2100		15/10/2107		15/10/2127		15/10/2133		00/00/0000	
बुध	12/03/2086	केतु	12/03/2101	शुक्र	14/02/2111	सूर्य	02/02/2128	चंद्र	15/08/2134
केतु	09/03/2087	शुक्र	13/05/2102	सूर्य	14/02/2112	चंद्र	02/08/2128	मंगल	16/03/2135
शुक्र	07/01/2090	सूर्य	17/09/2102	चंद्र	15/10/2113	मंगल	08/12/2128	राहु	14/09/2136
सूर्य	13/11/2090	चंद्र	18/04/2103	मंगल	15/12/2114	राहु	02/11/2129	गुरु	14/01/2138
चंद्र	14/04/2092	मंगल	15/09/2103	राहु	14/12/2117	गुरु	21/08/2130	शनि	15/08/2139
मंगल	11/04/2093	राहु	02/10/2104	गुरु	14/08/2120	शनि	03/08/2131	बुध	14/01/2141
राहु	29/10/2095	गुरु	08/09/2105	शनि	15/10/2123	बुध	08/06/2132	केतु	15/08/2141
गुरु	03/02/2098	शनि	18/10/2106	बुध	15/08/2126	केतु	14/10/2132	शुक्र	15/10/2142
शनि	14/10/2100	बुध	15/10/2107	केतु	15/10/2127	शुक्र	15/10/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 1 वर्ष 0 मा 3 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय गणना के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न का उदय काल एवं बृषभ नवांश तथा मेष राशि का द्रेष्काण का प्रवेश काल विद्यमान था। अश्विनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में आपके जन्म प्रभाव से यह संकेत प्राप्त होता है कि आप स्वतंत्रप्रिय, तेजस्वी उत्साही, समझौते में विश्वास रखने वाली, किसी के समक्ष नतमस्तक नही होने वाली और किसी भी प्रकार से हार नहीं मानने वाली लगनशील तथा जिद्दी प्रवृत्ति की प्राणी है।

वास्तविकता तो यह है कि आप तथाकथित रूप से हर क्षण नेतृत्व प्रदान करना पसंद करती हैं। इसके अतिरिक्त खेल कूद भी आपके लिए प्रिय है। आप अपने विचारों के समक्ष किसी अन्य व्यक्ति को विचार को स्वीकार नहीं करती हैं। आप व्यक्तिगत रूप से अपना न्यायपक्ष ही प्रस्तुत करती हैं। आप स्वाभाविक रूप से नेतृत्व प्रदान करने वाली हैं। तथा शीघ्रता पूर्वक किसी भी विषय को कार्यरूप दे देते हैं। आप सुगमता से अपने अधिकारी या सहायक के विचारों को नही मानती हैं। अर्थात् किसी अन्य की सत्ता स्वीकार नही करती।

आप अपनी अति महत्वकांक्षा के प्रति पूर्ण रूपेण अपनी शक्ति का दुरुपयोग करके आनंद प्राप्त करती तथा शीघ्रता पूर्वक अपनी सम्मति प्रस्तुत कर देती हैं। आप पूर्ण रूपेण आश्वस्त हो जाती है कि आपके विचार और कार्य कलाप अकाट्य है। आप सदैव सभी विषयों में अपनी प्रधानता एवं सशक्त रूप से प्रेरणा प्रदान करती हैं। संयोगवश यदि असफलता हाथ लगती है तो आप पश्चात्ताप का श्रेय दूसरो पर देती तथा पुनः अपनी पूरी शक्ति प्रदर्शन एवं अपने नियंत्रण से पुनः कार्यारंभ कर देती हैं।

आप सभी शंकाओं से रहित एक विश्वासी प्राणी हैं। आप व्यक्तिगत रूप से निष्कपट प्राणी है। यदि कोई व्यक्ति अनैतिक आचरण अथवा दाव पेंच से आपके साथ चालाकी या चतुरता से आप पर भारी दबाव डालना चाहता है तो आप उसके साथ विषमता पूर्ण रूख अपना कर निष्ठुर व्यवहार करने पर तत्पर हो जाती हैं। परंतु यदि कोई व्यक्ति इसके अतिरिक्त आपके विरुद्ध किसी को उकसाता है। या आप पर दबाव डालना चाहता है तो इस प्रकार के आचरण को उलझन पूर्ण व्यवहार समझकर सतर्क रहती हैं। कोई पिछली बातों को भुलाकर, विश्वास पूर्वक समझौता करना चाहता है तो आप ईमानदारी पूर्वक, क्रोध और निष्ठुरता को त्याग कर अंततोगत्वा आगे आकर अर्थात् मित्रता का हाथ बढ़ा कर एवं संकीर्णता से उपर उठ कर सफलता एवं विजय प्राप्त कर लेती हैं। आप अपने परिवार की समस्याओं पर ध्यान देती है तथा पूर्ण सतर्क रह कर अंत में सभी समस्याओं का समाधान करती हैं। आप अपने पारिवारिक समस्याओं को बिना समय नष्ट किए शीघ्रता पूर्वक अर्थात् मनोयोग पूर्वक बिना किसी उपेक्षित भावनाओं से संपादन कर लेती हैं।

आपके परिवार के सभी सदस्य एवं आप स्वयं अपनी माता से पूर्ण रूपेण संबद्ध रहा करते हैं। यद्यपि आपके पति आपको अपने प्रभाव में रखने का पूर्ण प्रयास करते है। ऐसा संभाव्य है कि आप अपने पति की विशेषताओं पर अमल करने लगे।

आप पूर्ण रूपेण स्वस्थ्य एवं शारीरिक शक्ति से मजबूत रहकर आनंद प्राप्त करेंगी। यह दृष्टिगोचर हो रहा है कि यदि आप पूर्ण सर्तकता से वाहन नही चलाए या वाहन चलाते समय कोई नादानी (बचपना) की तो यह संभव है कि आप किसी भी दुर्घटना की शिकार हो सकती हैं तथा आपके सिर में कोई चोट लग सकती है। अतः आपको पूर्ण सर्तकता से कोई भी वाहन चलाना चाहिए अन्यथा कोई (छोटी) साधारण दुर्घटना आपके संपूर्ण जीवन में कभी भी संभाव्य है अतः आपके लिए यह चेतावनी है कि आप अच्छी तरह नियमित रूप से सुरक्षित गति से वाहन चलाएं।

यदि आपने अपने दैनिकचर्या के अनुकूल आचरण नही किया तो यह संभव है कि आप मस्तिष्क रोग की अथवा पक्षाघात की शिकार हो सकती हैं। अतः आप समय-समय पर अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें, ऐसी ज्योतिषीय राय है। आप अपने उत्तम स्वास्थ्य के प्रति सुधार करती रहें। आपके स्वास्थ्य के लिए मांसाहार सर्वथा वर्जित है। सदैव ही शाकाहारी भोजन ग्रहण करें।

स्वास्थ्य की तुलना में धन क्या। यह तो कुछ भी नही है। स्वास्थ्य पर सदैव ध्यान देना अनुकूल है। यदि आप नीति पूर्ण ढंग से उचित खर्च करने में मनमानी करेंगी अथवा अपनी क्षमता से अधिक खर्च करेंगी तो आपके संचित धन पर कुप्रभाव पड़ेगा जिस कारण आपकी वार्षिक आय-व्यय का सिलसिला बिगड़ जाएगा। और आपकी कोई भी योजना प्रारंभ होने के समय आर्थिक तंगी के कारण प्रभावित हो जाएगी। यदि आप आनंद प्राप्त करने के लिए किसी बिंदु पर आसक्त हो जाएंगी तो आप शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त नही कर सकेंगी और आपकी योजना हानिप्रद प्रमाणित होगी। अर्थात् आपको काम-धंधे से नुकसान उठाना पड़ सकता है। अतः आप सुरक्षित ढंग से धन की बचत नियमित करें जो आपकी संवेदनशील परिस्थिति में सहायक हो सके।

यदि आप किसी भी, परिस्थिति या मौसम के प्रारंभिक काल अर्थात् कोई भी कार्य प्रारंभ करने के पहले निम्नलिखित निर्देशों का पालन करें तो यह आपके लिए लाभजनक सिद्ध होगा।

आप काले रंग के वस्त्रों एवं धातुओं का त्याग कर पीले, लाल एवं ताम्रवर्ण रंग को अपनाएं जो आपके लिए सर्वथा अनुकूल है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए अंक 9 और 1 अंक अनुकूल, अंक 4 एवं 8 अंक प्रभावक परंतु अंक 6 एवं 7 आपके लिए प्रतिकूल फलदायक अंक हैं।